Farmers' Practices for Weedicide-free Farming

P. K. Kumaran, Nilgiri, Tamilnadu

Area:	Experience:	Crops:
7 Acres	10 years	Tea, Coffee, Pepper, Coconut, Arecanut, Cardamom, Nutmeg, Vanilla , Ginger, Turmeric, Bananas, Pine apple etc.

- Weeds are needed to keep the health of the soil . So full removal of weeds are not needed
- Weeds are of two types –grasses and herbs
- Weeds should not be allowed to grow above crop
- In the first two years weeding is essential in tea garden. Then tea grows tall and reduce weed proliferation.

- **Mulching:** During planting time, after the land preparation mulching is done using dry leaves and green leaves. Per acre 200 Glyricidia cuttings were planted along the hedges – It gives 25 tons of green manure after 3-4 years . This is cut and put as mulch and this reduces weed growth . This also helps in water conservation and improving soil health
- **Intercropping:** Pulses
- **Shade through tree planting:** Fruit trees are planted intermittently, Shade of the trees keep weeds under control.
- **Planting Planning:** This planting is done in a way that provide 65 % sunlight can be received on the ground.
- **Mechanical Weeding:** We used small tools/weed cutter to control weeds during this time.
- **Soil health:** This helps in increasing the carbon in the soil.
- **Jeevamrut:**

Address: P K Kumaran, Mangod, Moonnanadu P .O.; Nilgiri, Tamilnadu PIN: 643239 Cell: 9943921166

खरपतवारनाशी मुक्त खेती के किसानों के अनुभव
पी के कुमारन, नीलगिरी, तमिलनाडु

रकबा: 7 एकड़

अनुभव: 10 साल

फसलें: चाय, काफी, काली मिर्च, नारियल, सुपारी, इलायची, जायफल, वेनिला, अदरक, हल्दी, केले, अनानास इत्यादि

- ❑ खरपतवार भूमी के स्वास्थ्य के लिए ज़रूरी. इस लिए पूरी तरह ख़त्म करना ज़रूरी नहीं.
- ❑ खरपतवार दो तरह के होते हैं- घास एवं जड़ी बूटी
- ❑ खरपतवार को फसल से ऊपर न जाने दें.
- ❑ चाय के बागान में पहले दो साल निंदाई ज़रूरी है, फिर चाय बढ़ जाती है और खरपतवार नियंत्रित हो जाते हैं.
- ▪ मल्चिंग: बाग़ लगाने के समय ज़मीन तैयार कर के ज़मीन को सूखे एवं हरी वनस्पति से ढक दिया जाता है. प्रति एकड़ खेत के चारों ओर ग्लिरिसिडिया 200 टहनियां रोप दी थी जिन से 3-4 साल बाद 250 क्विंटल हरी खाद मिल जाती है. इस को काट कर खेत में बिछा दिया जाता है. इस से पानी की बचत और मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार भी होता है.
- ▪ सह्फसलें: दालें
- ▪ पेड़ों के माध्यम से छाया: बीच बीच में फलदार पेड़ लगा देते हैं जिन की छाया में खरपतवार नियंत्रित रहते हैं.
- ▪ पेड़ों का नियोजन: पेड़ इस प्रकार लगाए जाते हैं कि सूर्य की 35% रोशनी का प्रयोग पेड़ ही कर लें. केवल 65% नीचे आए.
- ▪ यंत्रों से खरपतवार नियंत्रण: छोटे औजारों से खरपतवार नियंत्रण करते हैं.
- ▪ मिट्टी का स्वास्थ्य: अच्छा होने से मिट्टी में कार्बन की मात्रा बढ़ जाती है.
- ▪ जीवामृत:

पता: P K Kumaran, Mangod, Moonnanadu .O.; Nilgiri, Tamilnadu PIN: 643239 Cell: 9943921166

Farmers' Practices for Weedicide-free Farming

P. K. Kumaran, Nilgiri, Tamilnadu

- Desi Cow
- Threes and Shade
- Tree Panting
- Organic Manure

- देसी गाय
- पेड़ और छाया का प्रयोग
- नियोजित पेड़ प्रबंधन
- जैविक खाद